

## विजेता जागो-प्रार्थना विषय-मार्च 2024

1. कोई ध्यान भटकाना नहीं - इतनी सारी चीज़ें हैं जो हमारा ध्यान भटकाती हैं, प्रार्थना करें कि हम ऐसे इंसान बनें जो परमेश्वर से निकटता पाने के लिए अपने व्यक्तिगत समय को प्राथमिकता दें। “परंतु पहले उसके राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करो, और ये सब वस्तुएं भी तुम्हारे साथ जोड़ दी जाएंगी” (मत्ती 6:33)।
2. परिवर्तन - दुनिया हमें अपने साँचे में ढालने के लिए हमारा ध्यान आकर्षित करती है। परमेश्वर के वचन में मन को नवीनीकृत करके मनुष्यों के परिवर्तित होने के लिए प्रार्थना करें। “इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे मन के नए हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो। (रोम 12:2)।
3. समर्पण - व्याकुलता या ध्यान भटकने का अर्थ है कर्षण खोना। प्रार्थना करें कि जब परमेश्वर का अनुसरण करने की बात आती है तो हमारे आध्यात्मिक टायरों पर गहरी धारिया हो। “इसलिये परमेश्वर के अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।” (याकूब 4:7)।
4. परमेश्वर की शरण - पुरुषों के लिए प्रार्थना करें कि वे जीवन के हर क्षेत्र में परमेश्वर की उपस्थिति की भावना विकसित करें। “जो परमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा।” (भजन 91:1)।
5. परमेश्वर का वचन - परमेश्वर, हमें आपके वचन को अपने भीतर रखने की इच्छा और अनुशासन प्रदान करें ताकि हम आपके विरुद्ध पाप न करें। “तेरा वचन मैंने अपने हृदय में रख छोड़ा है, ताकि मैं तेरे विरुद्ध पाप न करूं” (भजन 119:11)।
6. सच्ची भलाई - “प्रिय प्रभु यीशु, मैंने सोचा कि मैं अच्छा था क्योंकि मैं अच्छा कर रहा था। अब मुझे एहसास हुआ कि सारी सच्ची भलाई का स्रोत आपसे ही से है। मैं अब स्वीकार करता हूं कि मैंने जो भी मानवीय भलाई हासिल की है वह महज मैले चिथड़े हैं। कृपया मुझे भलाई करने में सक्षम बनाएं क्योंकि आप मेरे माध्यम से अपना जीवन जीते हैं।” (मत्ती 19:17, 26)

7. एक ईश्वरीय बात - "हे प्रभु परमेश्वर, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं एक गतिरोध में हूँ। आप एक रास्ता सुझाएं एक नए तरीके से नई शुरुआत करें। मैं आपसे वहां एक रास्ता बनाने के लिए कहता हूँ जहां कोई रास्ता नहीं है। मैं खुद को आपको और आपके मार्ग को समर्पित करता हूँ। मुझे मार्ग का नेतृत्व करने के लिए लगातार आपकी ओर देखने के लिए प्रेरित करें। आप जहां भी ले जाएं, मुझे विश्वास के साथ साहसपूर्वक आगे बढ़ने की कृपा प्रदान करें।" (यशा. 43:19)

8. मास्टर शिक्षक - "हे प्रभु, मैंने एक अच्छा शिष्य बनने के लिए बहुत कोशिश की है, लेकिन मैं बुरी तरह विफल रहा हूँ। अब मैं समझता हूँ कि आप ही एक अच्छा शिष्य बना सकते हैं। आप अच्छे गुरु हैं और केवल आप ही मुझे एक अच्छा शिष्य बना सकते हैं। कृपया, मेरे माध्यम से अपना जीवन जियो। मुझे सच्चा शिष्य बनाने के लिए धन्यवाद। (मत्ती 5:1-2)

9. सच्ची धार्मिकता - "हे प्रभु, मुझे किसी भी चीज़ से ज्यादा आपके लिए और अधिक लालायित होने के लिए प्रेरित करें। मुझे अपने धर्म जीवन के लिए भूखा और प्यासा बनाओ। मुझे एहसास है कि एक बार जब मैं आपसे भर जाता हूँ तो मेरे पास वह सब कुछ होता है जिसकी मुझे आवश्यकता होती है। मैं आपसे मुझे अपने धर्म जीवन से भरने के लिए कहता हूँ। मुझे अपना जीवन देने और मेरी सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए धन्यवाद। (मत्ती 5:6)

10. शांतिदूत - "प्रिय प्रभु, संघर्ष और कलह से भरी दुनिया में, हमको शांति की सख्त जरूरत है। आप ही शांति के स्रोत और सच्चे शांतिदूत हैं। मैं उन सभी नकारात्मक, तर्कपूर्ण दृष्टिकोणों को अस्वीकार करता हूँ जो आपकी शान्ति और मेरे जीवन में बाधा बनेंगे। मुझे अपनी आत्मा से भरें और होने दें कि मैं आपका शांतिदूत बन सकूँ। (मत्ती 5:9)

11. घृणा - "परन्तु मैं तुम से जो सुनता हूँ, कहता हूँ, अपने बैरियों से प्रेम रखो, और जो बैर करते हैं उन से भलाई करो" (लूका 6:27) नफ़रत चाहे किसी भी चीज़ से उत्पन्न हुई हो, यह तीव्र नापसंदगी ही दूसरों का उन्मूलन प्रोत्साहित करती है, यह दुष्ट से है। यीशु ने परमेश्वर का मार्ग प्रदर्शित किया। प्रार्थना करें कि उसकी आत्मा के नेतृत्व में चलने वाला व्यक्ति बनें और ईश्वरीय प्रेम की प्रति संस्कृति जीने के लिए तैयार रहें।

12. क्षमा – “परन्तु यदि तुम दूसरों को क्षमा नहीं करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा नहीं करेगा” (मत्ती 6:15)। क्रूस पर कार्य की एक नई समझ के लिए प्रार्थना करें और उस भारी बोझ को जिसे मसीह ने माफ कर दिया है। तब परमेश्वर ने आपको जो अनुग्रह दिया है उससे दूसरों को क्षमा करना और उस अनुग्रह को बांटना बहुत आसान होगा।

13. आराधना - "सच्चे उपासक आत्मा और सच्चाई से पिता की आराधना करेंगे" (यूहन्ना 4:23) जब कोई संस्कृति बाइबिल की निरपेक्षताओं को अस्वीकार कर देती है और व्यक्तिगत अधिकारों को चुनने का अधिकार देती है, इससे पहले कि क्या सही है या गलत, यह मूर्तिपूजक बन गयी है। आत्मा में उपासक बनो जैसे कि आप विनम्रतापूर्वक यीशु मसीह में प्रकट परमेश्वर के सत्य के प्रति समर्पित होते हैं।

14. ज्ञान - "हर समझदार मनुष्य ज्ञान से काम करता है, परन्तु मूर्ख मूर्खता दिखाता है" (नीति 13:16) ज्ञान वह है जो व्यक्ति अनुभव के माध्यम से तथ्यों को जानकर शिक्षा प्राप्त करता है। अपने हृदय में प्रवेश करने के लिए ईश्वरीय बुद्धि माँगें, ताकि आप समझ सकें और परख कर आपके परिवार में और जहाँ कहीं भी ईश्वर आपको स्थान दे एक विवेकपूर्ण नेता बन सकें।

15. मछुआरे - “और यीशु ने उन से कहा, मेरे पीछे हो लो, और मैं तुम्हें मनुष्यों का मछुआरा बनाऊंगा” (मरकुस 1:17)। जैसे मछली विशाल महासागर में खो जाती है, वैसे ही पाप ने मनुष्य को उसके निर्माता से दूर कर दिया। लेकिन मसीह सभी मनुष्यों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए क्रूस पर मरे। (यूहन्ना 12:32) प्रार्थना करें एक ऐसे शिष्य बनने के लिये जो उनसे मनुष्यों का मछुआरा बनने की कला सीखता है।

16. नया जन्म - "एक आदमी बूढ़ा होने पर दोबारा कैसे जन्म ले सकता है" (यूहन्ना 3:4)? केवल एक चमत्कार पाप और अपराध में मृत पुरानी मानव आत्मा को नया जीवन दे सकता है। इसीलिए यीशु क्रूस पर हमारे पापों का दंड चुकाते हुए मर गए उसमें विश्वास के माध्यम से उससे, हम नया जीवन प्राप्त करते हैं और परमेश्वर के परिवार में जन्म लेते हैं। क्या आपका दोबारा जन्म हुआ है?

17. लाभ - लाभ के लिए वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान एक अच्छा तरीका है उन लोगों को इनाम देने का जो मेहनती और कुशल हैं। लेकिन जीवन पैसे से जो कुछ भी खरीदा जा सकता है उससे कहीं अधिक है। इसलिए, सबसे पहले अपने हृदय को परमेश्वर के राज्य के शाश्वत मूल्यों में निवेश करें। "इसलिए,

यदि मनुष्य सारे संसार को प्राप्त कर ले और स्वयं को खो दे तो उसे लाभ होगा” (लूका 9:25)।

18. वयस्क होना - मार्गदर्शन की कमी के कारण कई किशोरों का विकास नहीं हो पाता है और वे डर दर कर बड़े होते हैं। अपने बच्चों को वयस्कता का पता उत्सुकता से लगाने में मदद करें। “जब मैं बच्चा था तो मैं बच्चों की तरह बोलता था, बच्चों की तरह सोचता था, बच्चे की तरह तर्क करता था जब मैं पुरुष बन गया तो बचकानी बातें छोड़ दीं” (1कुरिं 13:11)।

19. आस्था प्रतिरोध - जीवन सही और गलत के बीच चयन करने का एक निरंतर अवसर है। पवित्रशास्त्र के माध्यम से हमारे पास एक शाश्वत चट्टान है जिसपे मैं खड़ा रह सकता हूं और किसी भी आध्यात्मिक लड़ाई से लड़ने के लिये आध्यात्मिक हथियार हैं। इस पर विश्वास करो! प्रभु आपका सहायक है! उसके साथ तुम दुष्ट के विरुद्ध भी बहुमत हो! “परन्तु अपने विश्वास में दृढ़ रहकर उसका साम्हना करो” (1पत 5:9)।

20. क्रोध - “क्योंकि मनुष्य के क्रोध से परमेश्वर की धार्मिकता प्राप्त नहीं होती” (याकूब 1:20). अगर आप गुस्सैल स्वभाव के व्यक्ति हैं तो आज से ही आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण लड़ाई की शुरुआत करें। जैसे ही आप मसीह के शिष्य बनने के लिए समर्पित होते हैं, अपनी इच्छा पर विजय के लिए प्रार्थना करें। विश्वास रखें कि वह आपके स्वभाव पर पूर्ण नियंत्रण रखने में सक्षम है।

21. केवल थोड़े ही-“क्योंकि फाटक छोटा है, और मार्ग सकरा है जो जीवन की ओर जाता है, और बहुत कम हैं जो इसे पाते हैं।” (मत्ती 7:14)। यदि आपको सुसमाचार साझा करने की इच्छा है और लोगों को मसीह के पास आते हुए देखना चाहते हैं तो हार न माने, भले ही कुछ ही लोग आपकी बात न सुने। आप एक स्वच्छ बर्तन बनने की प्रार्थना करें. मसीह के जीवन को अपने माध्यम से प्रतिबिंबित होने दें।

22. शासन - “जब धर्मी लोग बढ़ते हैं, तो लोग आनन्दित होते हैं, परन्तु जब दुष्ट व्यक्ति शासन करता है, लोग कराहते हैं” (नीति 29:2)। सुसमाचार का प्रसार नैतिकता को बढ़ावा देता है, धार्मिक जीवन को महत्व देता है और प्रोत्साहित करता है। आशा के दूत बनें और उनके लिए जो अधिकार में हैं प्रार्थना करें यह जानने के लिए कि क्या सही है और परमेश्वर के भय से शासन करें।

23. कठोर गर्दन - "जो व्यक्ति बहुत डाँटने पर भी अपनी गर्दन कठोर कर लेता है, वह अचानक उपचार से परे टूटा हुआ हो जाता है" (नीति 29:1)"। असली मर्दानगी ताकत के नियंत्रण में है और

दूसरों की भलाई के लिए उसको निवेश करने में है। लेकिन सभी मानवीय प्रयास दोषपूर्ण हैं, और हम सभी को सुधार की आवश्यकता है। डाँटे जाने पर भी सच्ची नम्रता दिखाने के लिए प्रार्थना करें। कठोर मत बनो!

24. छुटकारा - "जो मार डाले जाने के लिये घसीटे जाते हैं उनको छोड़ा; और जो घात किए जाने को हैं उन्हें मत पकड़ा।" (नीति 24:11)! दुनिया भर में यौन तस्करी और महिलाओं के साथ घरेलू दुर्व्यवहार शैतान का काम है। यीशु मसीह हर महिला को सम्मान और स्वतंत्रता देना चाहते हैं। एक ऐसा व्यक्ति बनें जो सचेत रूप से उनके छुटकारे को बढ़ावा देता है।

25. पाप को घेरना - "इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है धीरज से दौड़ें," (इब्रानियों 12:1)। कथन: 'बुराई तब तक सहनशीलता सिखाती है जब तक वह हावी न हो जाए',

यह हमारे समाज और हमारे निजी जीवन पर लागू होता है। अपने विकल्पों में बुद्धिमान बनें, और

पवित्र जीवन जीने का दृढ़ संकल्प लें, क्योंकि पवित्रता के बिना कोई भी परमेश्वर को नहीं देख पाएगा।

26. सौंप दिया गया - "जब उन्होंने परमेश्वर को पहिचानना न चाहा, तो परमेश्वर ने भी उन्हें उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया कि वे अनुचित काम करें।" (रोम 1:28)। पवित्र आत्मा की अपील को अस्वीकार करने वाले व्यक्ति के साथ सबसे बुरा कुछ हो सकता है तो वह यह है कि परमेश्वर उसको छोड़ देगा। सतर्क रहो! एक संवेदनशील हृदय के लिए प्रार्थना करें और प्रभु की छोटी सी आवाज पर भी तत्काल आज्ञाकारिता का अभ्यास करें।

27. इसके बावजूद - "तौभी मैं यहोवा के कारण आनन्दित और मगन रहूँगा, और अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के द्वारा अति प्रसन्न रहूँगा।" (हब 3:18) अपने पथभ्रष्ट लोगों के लिए परमेश्वर के शाश्वत उद्देश्यों में पीड़ा का समय और कठिनाई भी शामिल हैं। फिर भी, हम भविष्यवक्ता हबक्कूक की तरह परिणाम के लिए हमेशा उस पर भरोसा कर सकते हैं, अपनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद परमेश्वर का सम्मान करने का दृढ़ संकल्प करें।

28. कड़वाहट – “मेरा मन तो कड़ुवा हो गया था, मेरा अन्तःकरण छिद गया था,” (भजन 73:21)। अन्याय सहकर और बुराई को देखकर अनदेखा करने से कड़वाहट आना आसान है। उन क्षणों में, अपने घुटने टेकें और अपनी भावनाओं और शारीरिक आवेगों के हुक्म से मुक्त होने के लिए प्रार्थना करें।

29. पवित्रस्थान - “जब तक कि मैं ने ईश्वर के पवित्रस्थान में जाकर उन लोगों के परिणाम को न सोचा।” (भजन 73:17). परमेश्वर ऐसे उपासक को चाहता है जो आत्मा और सच्चाई से उसकी आराधना करे। समय निकालें उसकी उपस्थिति में रहें और उसे धर्मशास्त्र और प्रार्थना के माध्यम से आपसे बात करते हुए सुनें। वह आपको वह समझ प्रदान करें कि जीवन में वास्तव में क्या मायने रखता है।

30. जीविका - प्रभु के प्रति निष्ठा में, हम अपने जीवन के लिए उनकी देखभाल का अनुभव करते हैं।

क्योंकि जब बाइबिल के सिद्धांतों के संरक्षण के कारण हानि होती है, तो प्रभु ही है जो अपने बच्चों का भरण-पोषण करने में विश्वासयोग्य रहता है। 2 इतिहास 25:9 कहता है: “यहोवा तुझे इससे भी बहुत अधिक दे सकता है।” परमेश्वर, हमें विवेकपूर्ण बनने और भ्रष्टाचार और आसान लाभ से बचने में मदद करें!

31. शांति - बिलों का भुगतान करना है, काम पर चिड़चिड़ापन है, कार्यों को पूरा करना है, कई कारण सामने आते हैं जो तनाव और प्रियजनों के सामने प्रतिक्रिया एक विस्फोट जैसे हालात पैदा कर सकती है। (नीति 15:1) हमें याद दिलाता है: “कोमल उत्तर सुनने से गुस्सा ठण्डा हो जाता है, परन्तु कटुवचन से क्रोध भड़क उठता है।” परमेश्वर मुझमें रहते हैं, काश की मैं आत्मा में प्रतिक्रिया दे सकूँ, न कि शरीर की प्रेरणा से!